पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)

राजभवन में "एक वृक्ष माँ के नाम" अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित

राज्यपाल जी ने आज राजभवन में माँ गार्डन का किया उद्घाटन

राज्यपाल जी ने सीता अशोक एवं परिजात का पौधा लगाया

पद्मश्री मालिनी अवस्थी, स्कूली बच्चे तथा राजभवन के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने किया पौधरोपण

पौधे से माँ का नाम जुड़ने से माँ की ममता और परवरिश याद आते हैं

कार्य संपन्न होने के लिए, उसके प्रति संकल्पित एवं समर्पित होना जरूरी

पौधरोपण, जल संवर्धन एवं नदियों को पुनर्जीवित करने के कार्य किए जाने चाहिए

—राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

भारतवर्ष की संस्कृति हमें प्रकृति के साथ रहना सिखाती है

पद्मश्री, श्रीमती मालिनी अवस्थी

माँ के लिए समर्पित पौधों को परिपक्व होने तक मां के समान ही पालन पोषण किया जाना चाहिए

अपर मुख्य सचिव, डॉ0 सुधीर महादेव बोबडे

लखनऊ : 03 जुलाई, 2024

राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से आज राजभवन में "एक वृक्ष माँ के नाम" अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें पद्मश्री, मालिनी अवस्थी स्कूली बच्चे तथा राजभवन के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने माँ के नाम से पौधरोपण किया। पौधरोपण कार्यक्रम में जहाँ राज्यपाल जी ने सीता अशोक एवं परिजात के पौधे का रोपण किया वहीं अन्य अधिकारियों ने मोलश्री, परिजात, चितवन, गंधराज, श्वेत चम्पा, स्वर्ण चम्पा, अशोक पेंडुला आदि पौधे लगाए। राज्यपाल जी ने इस उपवन का माँ गार्डन के नाम से नामकरण करते हुए उद्घाटन भी किया।

ज्ञातव्य है कि योग दिवस के अवसर पर राज्यपाल जी ने समस्त प्रदेश वासियों से एक पौधा माँ के नाम से लगाने तथा उसकी देखभाल करने की अपील की थी इसी क्रम में राज्यपाल जी द्वारा आज राजभवन में माँ गार्डन का उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि पौधे से जब माँ का नाम जुड़ जाता है तो माँ की ममता, परवरिश सब याद आते हैं। पेड़ पौधों को भी संगीत पसंद होता है पेड़ के नीचे संगीत से पेड़ का विकास शीघ्र होता है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से पूरे देश भर में करोड़ों लोगों द्वारा पौधारोपण किया जा रहा है। राज्यपाल जी ने कहा कि पौधों की भी परवरिश करनी होती है, शोधार्थियों से पता चला है कि पौधे प्रतिक्रिया भी देते हैं। उन्होंने कहा कि जब हम किसी कार्य के प्रति संकल्पित एवं समर्पित होते हैं तो कार्य संपन्न होता है। उन्होंने कहा कि आज हमारी नदियां सूख रही है, पहाड़ गिर रहे हैं ऐसी

स्थिति में जब पूरा विश्व संकट का सामना कर रहा है, पौधरोपण आवश्यक है। हमारे द्वारा जल संवर्धन, नदियों को पुनर्जीवित करने के कार्य किए जाने चाहिए।

इस अवसर पर पद्मश्री, श्रीमती मालिनी अवस्थी ने कहा कि भारतवर्ष की संस्कृति हमें प्रकृति के साथ रहना सिखाती है। उन्होंने कहा कि पेड़–पौधे अपना कर्तव्य सदियों से निभाते आए हैं, वे हमें फल, छाया और आक्सीजन प्रदान करते हैं और बदले में हमसे कोई अपेक्षा नहीं रखते। आषाढ़ के महीने को उन्होंने वृक्षारोपण के लिए आदर्श महीना बताते हुए कहा कि एक ऐसा पर्यावरण बने जहां समावेशिक प्रवृत्ति का विकास हो। पेड़–पौधों को जीवन का हिस्सा बताते हुए उन्होंने कहा कि हमारे लोकगीत और लोक कथाएं प्रकृति से जुड़ी हुई है।

इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव श्री राज्यपाल डॉ0 सुधीर महादेव बोबडे ने कार्यक्रम को हर्ष का विषय बताते हुए कहा कि माँ के लिए समर्पित पौधों को परिपक्व होने तक मां के समान ही पालन पोषण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि घर के आस–पास पौधरोपण कर उसे माँ की स्मृति में समर्पित करें।

इस अवसर पर राजभवन व भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के बच्चों द्वारा प्रकृति संबंधी गीत प्रस्तुत किए गए व राजभवन के समस्त अधिकारी गणों व कर्मचारियों द्वारा पौधारोपण किया गया।

———

संपर्क सूत्र :
राम मनोहर त्रिपाठी, सहायक निदेशक
कृष्ण कुमार, सूचना अधिकारी, राजभवन
सम्पर्क सूत्र – 9453005360

एक पेड़ माँ के नाम